ट्रैवल कर रहा था, उसमें परदे लगे हुए थे। मैंने कहा कि ये रेलवे के पर्दे कहां से आए तो उन्होंने कहा कि यह मत पूछिए। यह उनको रेलवे कर्मचारी खुद लाकर देते हैं। यह पर्दे प्रथम श्रेणी के गद्दे के ऊपर का हिस्सा था जिस पर 'I. R.' लिखा रहता है। आपकी बहुत सी लाइन्स पर लोग चैन पुलिंग करते हैं और गाड़ी रोक लेते हैं। आप रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स रखकर इसका इन्तजाम कीजिए लेकिन जो लोग कानून को मानते हैं, पैसे देकर टिकट लेना चाहते हैं उनके साथ अगर सख्ती का बर्ताव किया जायेगा तो उनके साथ न्याय नहीं होगा। मन्त्री महोदय इस पर फिर विचार करें और जो जुर्माना रखा है उसे कुछ कम करें। मेरी राय में एक रुपए से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

17.58 hours.

PAPERS LAID ON THE TABLE—*Contd.*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAGHU RAMAIAH): Sir, today morning Shri Morarji Desai laid on the Table of the House a copy of the correspondence between the Prime Minister and himself. It is noticed that copy of a letter dated 20th July, which is also a part of the correspondence, which was sent to him by the Prime Minister, was not included in those letters. May I, Sir, on behalf of the Prime Minister have your permission to lay on the Table of the House a copy of that letter also? [*Placed in Library. See* No. LT—1230/69]

श्री जार्ज फरनेन्डीज (बम्बई दक्षिण): श्री मोरारजी देसाई जो पत्र रखना चाहते थे वह उन्होंने क्यों नहीं रखा? क्या प्रधान मंत्री की ओर से कोई नया पत्र आया है?

MR. CHAIRMAN: On behalf of the Prime Minister the Minister of Parliamentary Affairs is placing a cpoy of a letter, which is part of the correspondence between the Prime Minister and Shri Morarji Desai.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़): मैं जानना चाहता हूं कि क्या प्राइम मिनिस्टर को यह बात बाद में सूझी कि यह चिट्ठी शामिल कर देनी चाहिए या पहले से बात उनके ध्यान में थी?

श्री महाराज सिंह भारती (मेरठ): जो पत्र रखे गए हैं उनमे यह पत्र नहीं रखा गया है तो यह जान बूझ कर नहीं रखा था या गलती से रह गया?

MR. CHAIRMAN: Yes, it was not.

18.00 hrs.

STATUTORY RESOLUTION RE: INDIAN RAILWAYS (AMENDMENT) ORDINANCE 1969 AND INDIAN RAILWAYS (SECOND AMENDMENT) BILL—*Contd.*

श्री हुकमचन्द कछवाय (उज्जैन): सभापति महोदय, जिस बिल पर चर्चा हो रही है उसके सम्बन्ध में मुझे इतना ही कहना है कि सदन में सभी ने इसका विरोध किया है कि रेलवे की इनकम बढ़ाने के उद्देश्य से आर्डिनेंस के द्वारा 10 रुपए का जुर्माना रखा जाये। सरकार का जो दबा हुआ पैसा है उस पैसे को निकालने के लिए सरकार ने जिन टी० टी० वगैरह को रखा है, वे उस पैसे को निकाल कर लाते हैं या नहीं, क्या कभी सरकार ने गम्भीरता से इस पर विचार किया है? एक और तो आपने 8 आने के बजाये दस रु० की पेनाल्टी रख दी रेलवे के घाटे को पूरा करने के लिए और दूसरी ओर पश्चिमी रेलवे में स्लीपिंग कोचेज़ में टी० टी० लोगों की जगह पर केवल अटेडेंन्ट काम कर रहे हैं। जब मैंने इस बारे में पूछा तो जी० एम० द्वारा मुझे बताया गया कि चूंकि रेलवे को घाटा है इसलिए टी० टीज़० को हटा कर अटेडेन्टस् के काम लेना चाहते हैं।

MR. CHAIRMAN: Would he be concluding his speech in a minute or two?

श्री हुकुम चन्द कछवाय: मुझे पांच मिनट दिये गये हैं मैं कल जारी रख सकता हूं।

MR. CHAIRMAN: In that case, he may continue his speech tommorow.

18.01 hours.

The Lok Sabha then adjourned till Eelven of the Clock on Tuesday, July 22, 1969, Asadha 31, 1891 (Saka).

Printed at: Navin Press, Delhi-6.